उत्साही निराशावादी उग्र शांत

पर्सनैलिटी प्लस

खु़द को समझकर दूसरों को कैसे समझें

फ़्लोरेंस लिटार

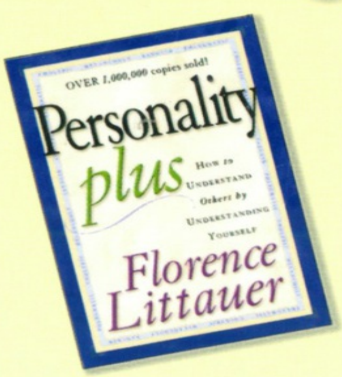

Hindi Translation of the International Bestseller
Personality Plus

पर्सनैलिटी

प्लस

पर्सनैलिटी प्लस

फ़्लोरेंस लिटार

अनुवादक : डॉ. सुधीर दीक्षित, रजनी दीक्षित

MANJUL
मंजुल पब्लिशिंग हाउस

First published in India by

MANJUL

Manjul Publishing House

Corporate and Editorial Office

• 2" Floor, Usha Preet Complex, 42 Malviya Nagar, Bhopal 462 003 - India

Sales and Marketing Office

• 7/32, Ground Floor, Ansari Road, Daryaganj, New Delhill.0002 - India

Website: www.manjulindia.com

Distribution Centres

Ahmedabad, Bengaluru, Bhopal, Kolkata, Chennai, Hyderabad, Mumbai, New Delhi, Pune

Hindi translation of the international bestseller *Personality Plus* by *Florence Littauer*

This edition first published in 2007

Ninth impression 2016

Copyright C. 1983, 1992 by Florence Littauer Originally published in English under the title

Personality Plus

by Fleming H. Revell

a division of Baker Publishing Group,

Grand Rapids, Michigan, 49516, U.S.A

All rights reserved.

ISBN 978-81-8322-065-1

Translation by Dr. Sudhir Dixit, Rajni Dixit

All rights reserved. No part of this publication may be reproduced, stored in or introduced into a retrieval system, or transmitted, in any form, or by any means (electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise) without the prior written permission of the publisher. Any person who does any unauthorized act in relation to this publication may be liable to criminal prosecution and civil claims for damages.

विषय-सूवी

विशेष धन्यवाद

खंड एक पर्सनैलिटी प्रोफ़ाइल अपनी जाँच करने का आसान तरीक़ा

1 आप अनूठे हैं

2 आपकी पर्सनैलिटी प्रोफ़ाइल

खंड दो भिन्न प्रकृतियों की शक्तियाँ हमारे व्यक्तिगत गुणों का सर्वेक्षण

3 आइए लोकप्रिय आशावादी व्यक्तियों के साथ मज़े करें

4 आइए पूर्ण निराशावादी व्यक्तियों के साथ सुनियोजित बनें

5 आइए अपनी भावनाओं को समझें

6 आइए सशक्त क्रोधी व्यक्ति के साथ आगे बढ़ें

7 आइए शांत संतोषी व्यक्तियों के साथ चैन से रहें

खंड तीन व्यक्तित्व योजना व्यक्तिगत कमज़ोरियों को दूर करने का तरीक़ा

प्रस्तावना : सकारात्मक बातों की अति नकारात्मक बन जाती है

8 आइए लोकप्रिय आशावादी व्यक्तियों को व्यवस्थित करें

9 आइए पूर्ण निराशावादी व्यक्ति को खुश रहना सिखाएँ

10 आइए सशक्त क्रोधी व्यक्तियों को थोड़ा शांत करें

11 आइए शांत संतोषी व्यक्तियों को प्रेरित करें

खंड चार व्यक्तित्व के सिध्दांत लोगों के साथ बेहतर संबंधों की राह

12 हर व्यक्ति अनूठा सम्मिश्रण है

13 हम बंधन में नहीं रहना चाहते

14 विपरीत ध्रुव आकर्षित होते हैं

15 हम लोगों की भिन्नताओं को पहचान सकते हैं

16 दूसरों के साथ किस तरह व्यवहार करें

रवंड पाँच व्यक्तित्व शक्ति अपनी पूर्ण क्षमता तक पहुँचने के लिए शक्ति का स्त्रोत

17 पर्सनैलिटी प्लस की शक्ति से लोग सकारात्मक बनते हैं!

परिशिष्ट : पर्सनैलिटी टेस्ट के शब्दों की परिभाषाएँ

विशेष धन्यवाद

पच्चीस साल पहले मेरी एक सहेली ने मुझे टिम लाहेई की पुस्तक स्पिरिट कंट्रोल्ड टेंपरामेंट देकर उसे पढ़ने की सलाह दी। इस पुस्तक में दी गई चार प्रकृतियों के बारे में पढ़कर मैं तत्काल मुग्ध हो गई। ऐसा लग ही नहीं रहा था कि प्रकृतियों का यह अद्‌भुत सिद्धांत ईसा मसीह से चार सौ साल पहले हिप्पोक्रेटीज़ ने दिया था। जब इसमें मुझे अपने और फ्रेड जैसे व्यक्ति का वर्णन मिला, तो मुझे महसूस हुआ कि लेखक यक़ीनन गोपनीय रूप से हमें जानता होगा। हालाँकि मैं कभी टिम लाहेई से नहीं मिली थी, लेकिन मैं सचमुच उनके जैसे ज्ञानी व्यक्ति से मिलना चाहती थी। एक साल के भीतर मेरी यह इच्छा तब पूरी हुई, जब हम दोनों ने एक ही सेमिनार में भाषण दिए। टिम उतने ही प्रगतिशील और रोमांचक थे, जितनी कि मुझे उम्मीद थी। उन्होंने मुझे प्रकृतियों के अधिक अध्ययन के लिए प्रोत्साहित किया।

बरसों तक सिखाने और परामर्श देने के बाद मैंने पर्सनैलिटी प्लस प्रकृतियों का यह संग्रह इकट्ठा किया है और अब मैं यह पुस्तक टिम लाहेई को ही समर्पित कर रही हूँ, जिन्होंने मुझे सबसे पहले प्रेरित किया। मैं उस बात से सहमत हूँ, जो उन्होंने मुझे एक पत्र में लिखी थी :

> जब मैंने यह पुस्तक लिखी थी, उसके बाद अब मुझे और भी ज़्यादा विश्वास हो गया है कि चार प्रकृतियों का सिद्धांत मानवीय व्यवहार का सर्वश्रेष्ठ स्पष्टीकरण है।

टिम लाहेई, आपके प्रोत्साहन के लिए धन्यवाद।

फ़्लोरेंस लिटार

खंड एक

पर्सनैलिटी प्रोफ़ाइल

अपनी जाँच करने का आसान तरीक़ा

अध्याय **1**

आप अनूठे हैं

हम सभी बेहतर व्यक्तित्व चाहते हैं। हम सभी फ़ैंटेसी आइलैंड पर अपनी तस्वीर देखते हैं, जहाँ घंटी बजते ही हम आकर्षक, वाक्पटु, मनमोहक पोशाक वाले कुलीन व्यक्ति में बदल जाते हैं। हम लड़खड़ाते, अटकते, फैलाते या भटकते नहीं हैं। इसके बजाय हम बातचीत करते, मन मोहते, आकर्षित और प्रेरित करते हैं। जब शो ख़त्म हो जाता है, तो हम अपने दिमाग़ की स्क्रीन बंद कर देते हैं और दोबारा पुराने ढरें पर जीने लगते हैं। अपनी खाली स्क्रीन को घूरते समय हम सोचते हैं कि हमारी 'सितारा छवि" क्यों ख़त्म हो गई; हमारी जगह नए सितारे क्यों आ गए, जो अपनी भूमिकाओं को आत्मविश्वास से निभाते हैं; असली जीवन में हम सामंजस्य क्यों नहीं बैठा पा रहे हैं?

हम पर्सनैलिटी कोर्सेस की तरफ़ भागते हैं, जो चौबीस घंटों में हमें वाक्पटु बनाने का वादा करते हैं। हम आत्म-मूल्यांकन अनुभवों की तरफ़ भागते हैं, जो हमें अधिकतम शक्ति से लैस करके छोटे-मोटे ईश्वर में बदलने का दावा करते हैं। हम संवेदनशीलता सत्रों की ओर भागते हैं, ताकि काल्पनिक भविष्य में अपनी राह खोज सकें। हम चमत्कारों की उम्मीद में जाते हैं, लेकिन निराश होकर घर लौटते हैं। हम रोमांचक व्यक्ति के साँचे में फिट नहीं बैठते हैं, हममें संभावना का विस्फोट नज़र नहीं आता है, हम उत्कृष्टता के मानदंड नहीं माने जाते हैं। हमारी अलग-अलग प्रेरणाएँ, योग्यताएँ और व्यक्तित्व होते हैं, इसलिए हमारे साथ एक सा व्यवहार नहीं किया जा सकता।

कोई भी दो व्यक्ति एक से नहीं होते

अगर हम सभी बक्से में रखे एक जैसे अंडे होते, तो कोई विशाल मुर्गी हमें सेकर रातोरात आकर्षक मुर्गों में बदल सकती थी, लेकिन हम सभी भिन्न हैं। हम सभी अपनी विशिष्ट शक्तियों और कमज़ोरियों के साथ पैदा हुए हैं तथा कोई जादुई फ़ॉर्मूला हम सभी के लिए चमत्कार नहीं कर सकता है। जब तक हम अपने अनूठेपन को नहीं पहचान लेते, तब तक हम यह बात नहीं समझ सकते कि लोग एक ही सेमिनार में एक ही वक्ता की बात सुनकर अलग-अलग सफलता कैसे हासिल कर लेते हैं।

पर्सनैलिटी प्लस हममें से हर एक को चार मूलभूत प्रकृतियों का अनूठा सम्मिश्रण मानती है और हमें प्रोत्साहित करती है कि हम सतह पर दिखने वाली चीज़ों को बदलने की कोशिश करने से पहले अपने वास्तविक स्वरूप को पहचान लें।

जो अंदर है, वह महत्वपूर्ण है

जब माइकलएंजेलो डेविड की प्रतिमा तराशने वाले थे, तो उन्होंने संगमरमर चुनने में बहुत समय लगाया, क्योंकि वे जानते थे कि कच्चे माल की गुणवत्ता से ही प्रतिमा की सुंदरता तय होगी। उन्हें पता था कि वे पत्थर का आकार तो बदल सकते थे, लेकिन मूलभूत तत्व को नहीं बदल सकते थे।

उनकी बनाई हर कलाकृति अनूठी है, क्योंकि अगर वे चाहते, तो भी वे संगमरमर का हूबहू वैसा ही टुकड़ा नहीं खोज सकते थे। अगर वे उसी खदान से दूसरा पत्थर काटते, तो भी वह ठीक वैसा नहीं होता। मिलता-जुलता